**Seventeenth Loksabha**

>

Title: Regarding inclusion of people belonging to certain communities of Assam in the central list of Scheduled Tribes-laid.

**श्री नव कुमार सरनीया (कोकराझार):** शुरू से ही सरनिया कछारी, मदाहि और ठेंगाल कछारी देश के जनजाति का हिस्सा हैं । लेकिन राजनैतिक और व्यक्तिगत स्वार्थ के लिए कुछ लोगों ने उनके ऊपर नकली जनजाति कहके गलत प्रचार, मुकदमा और अपमान करते आ रहे हैं, और इसलिए असम सरकार ने उनको अलग से जनजाति घोषित किया हुआ हैं । लेकिन अभी तक उनके नाम केंद्रीय जनजाति लिस्ट में दर्ज नहीं हैं । इसलिए मेरी मांग है कि उनको जल्द से जल्द केंद्रीय जनजाति लिस्ट में शामिल किया जाए और उनके संवैधानिक अधिकार उनको दिया जाये ।

साथ ही कोच राजबंग्शी, आदिवासी, आहोम, मोरान, मोटोक और चूतिया जंगोष्ठियों को जनजाति का दर्जा देने का था । मेरा मांग हैं कि इन सभी के औपचारिकता जल्द से जल्द पूरी करनी चाहिए । कलिता, नाथ योगी और गोरखा भी जनजाति का मांग कर रहा हैं, अतः उनको भी जनजाति घोषित किया जाए ।